पर्व | बाजार होली पर रंग-बिरंगी पिचकारियों और हर्बल रंगों से सज गया

शुभ संयोग में होगा होलिका दहन, इन लकड़ियों का करे प्रयोग

गोरखपुर में विराजी सबसे बड़ी होलिका बनी आकर्षण का केंद्र

होलिका प्रतिमा को कैमरे में कैद करते लोग

नवभारत, जबलपुर, ।आज सोमवार यानि 2 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। जिसको लेकर शहर में सारी तैयारियां पूरी की जा चुकी है। जगह जगह होलिका को विराजमान भी कराया जा चुका है। जानकारों कि माने तो इस बार बच्चों और युवाओं में होली को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस बार होली का पर्व न केवल रंगों से भरा होगा, बल्कि नए-नए उत्पादों और स्वादिष्ट मिठाइयों के साथ भी मनाया जाएगा। जबलपुर का बाजार इस होली पर रंग-बिरंगी पिचकारियों और हर्बल रंगों से सज गया है, जो इस त्योहार की खुशियों को और भी बढ़ा देगा। वही शहर वासियो में नगर में विराजी होलिका को देखने के लिए भी एक अलग उत्साह दिखाई दे रहा है। आमजन सड़को पर अपने वाहन रोककर होलिका की फोटो अपने कैमरे में कैद करते देखे गए।

राक्षस के रूप में विराजी होलिका

शहर के गोरखपुर स्थित शारदा टॉकीज के सामने पिछले 50 सालों से जबलपुर की सबसे ऊंची होलिका विराजमान हो चुकी है। जिसका दहन देखने के लिए आमजन दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं। जानकारी के अनुसार शहर की सबसे ऊंची इस होलिका की प्रतिमा की लंबाई लगभग 25 फीट के आसपास है जिसके हाथ पर एक बिच्छू विराजमान है जो इन्हें डंक मारता हुआ दिखाई दे रहा है। होलिका प्रतिमा का भयावह रूप साफ साफ देखा जा सकता है।

इन लकड़ियों का जलना अशुभ

पीपल: बहुत पवित्र पेड़ माना जाता है, इसे जलाना अशुभ समझा जाता है

शमी: पूजा में इस्तेमाल होने वाला पेड़ है, इसे नहीं जलाना चाहिए

आम: शुभ कामों में आम के पत्ते लगाए जाते हैं, इसलिए इसकी लकड़ी नहीं जलाई जाती है।

आंवला: धार्मिक और औषधीय महत्व वाला पेड़ है

नीम: सेहत के लिए फायदेमंद और पवित्र माना जाता है

केला: पूजा-पाठ के काम में आता है

शोक: खुशहाली का प्रतीक माना जाता है

बेल: भगवान शिव को प्रिय है, इसलिए इसे जलाने से बचना चाहिए।

इनका होना चाहिए प्रयोग

होलिका दहन के लिए सूखी लकड़ियां और टहनियां गिरी हुई या सूखी लकड़ियां सबसे अच्छी रहती हैं।

एरंड और गूलर की सूखी टहनियां: इन्हें शुभ माना जाता है।

गाय के गोबर के कंडे: पूजा में खास महत्व है और वातावरण को भी शुद्ध करते हैं।

सूखी घास और खरपतवार: आसानी से मिल जाते हैं और पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं।

नई फसल की बालियां: अच्छी फसल और समृद्धि की कामना के लिए डाली जाती हैं।

नारियल, रोली और चावल: पूजा के समय शुभ माने जाते हैं।

होलिका दहन से जुड़ी कुछ रोचक बातें

फाल्गुन पूर्णिमा की रात को लोग मिलकर होलिका दहन करते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं कि उनके जीवन से दुख, तनाव और बुरी ऊर्जा दूर हो जाए होलिका के दिन कई लकड़ियों का ढेर इकट्ठा कर आग लगाई जाती है लेकिन, ज्योतिष शास्त्र में कुछ लकड़ियों का होली में दहन करना वर्जित बताया गया है। भारत संस्कृति विविधताओं से भरा हुआ देश है यहां परंपराओं ने संस्कृति को जीवंत बनाए रखा है इसलिए हर त्योहार को पूरी निष्ठा और परंपरा के साथ मनाया जाता है होली का त्योहार भी इनमें से एक है। होली हिंदुओं के लिए सबसे खास त्योहारों में से एक है माना जाता है कि, होलिका दहन के साथ सभी बुराइयों का नाश होता है।

भजनों के साथ फूलों की होली रही आकर्षण का केन्द्र

श्री चैतन्य महाप्रभु जन्मोत्सव पर निकली संकीर्तन यात्रा

नवभारत,जबलपुर। श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालपुरम के संयोजकत्व में महाप्रभु चैतन्य के जन्मोत्सव के शुभ प्रसंग पर आज विशाल संकीर्तन शोभा यात्रा स्वामी पगलानंद महाराज,मानस पीठाधीश्वर स्वामी डॉ.गिरजानंद सरस्वती, संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे के पावन सानिध्य में श्री शिवकल्याण मंदिर कछियाना से भव्य फूलों की होली खेलते हुये नृत्य, गाजे बाजे शंख, घंटा, मृदंग की मनोहारी गूँज़ के साथ तेंदूखेड़ा सीताराम संकीर्तन मंडल द्वारा राधे कृष्ण राधे सीताराम की अखण्ड धुन गाकर निकाली गई। उक्त कार्यक्रम के संबंध में चेतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु ने हरिनाम संकीर्तन को एक नई संचेतना नवीन शैली प्रदान की है,नाम संकीर्तन की अलख घरों घर जगाने के लिए संस्कारधानी के विभिन्न क्षेत्रों में नौ दिन प्रात: प्रभात फेरी का आयोजन पूर्ण श्रद्धा,समर्पण भाव के साथ किया गया। एक से बढ़कर एक कर्णप्रिय सुमधुर होली गीत पर गुंजायमान मंदिर प्रांगण में भक्तजन भावभोर होकर झूम उठे,तपश्चात पुष्प वर्षा कर महाआरती की गई,गुलाल तिलक लगाकर सभी धर्मावलंबियों का स्वागत किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर ज्योतिषाचार्य देवेंद्र त्रिपाठी, डॉ.सुधीर अग्रवाल, सत्यप्रकाश नामदेव, मनोज गुलाबवानी, सुरेश नागौद, कृष्णा नामदेव, मंजू दुबे, माधुरी विश्वकर्मा, पुष्पा पटेल,जमना देवी,राजकुमारी मिश्रा,सुरेश विश्वकर्मा, विशाल पंड्या,शिवम नामदेव,डॉ.राजेंद्र नेमा,प्रवीण नेमा,पप्पू चौबे,पवन जसवाल, सुरेंद्र गिरी, जितेंद्र शर्मा, अजय पांडे,मदन तिवारी, आशीष दुबे, संतोष गौतम,नरेश गुजराती, अनिल सुहाने आदि उपस्थित रहे। सभी भक्तजनों का देवेंद्र नेमा ने आभार व्यक्त किया।

रोजा अफ्तार में की अमन-चैन व खुशहाली की दुआएं

विभिन्न स्थानों पर रोजा अफ्तार के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित

नवभारत,जबलपुर। पवित्र माह रमज़ान शरीफ़ के दौरान शहर में विभिन्न स्थानों पर रोज़ा अफ़्तार के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में रोज़ेदारों ने शिरकत की और मुल्क की अमन-चैन व खुशहाली के लिए दुआएँ की गईं।

रमज़ान मुबारक के अवसर पर हज़रत सैयद अब्दुल रहमान अरबियन अलमारूफ जिन्ना शाह बाबा के आस्ताने पर अफ्तारे-आम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय मुस्लिम धर्मावलंबियों के साथ हिंदू समाज के लोगों ने भी शिरकत कर आपसी भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर विभिन्न दरगाहों के खादिम भी मौजूद रहे। अफ्तार में मुख्य रूप से अब्दुल रब बाबा, एडवोकेट विकास तिवारी, लखन राजपूत, नितेश, राजा, नूरुद्दीन सद्दाम, इनायत बाबा, शब्बीर भाई, अल्ताफ बाबा, राजू पराग, शिवम बाबा, सौरभ बाबा, मनीष तिवारी, सोनू भाई सहित अन्य दरबारी उपस्थित रहे। वहीं रविवार को डॉक्टर सेन की गली के पास हैप्पी क्लब की जानिब से रोजा इफ्तार का एहतमाम किया गया। जिसमें शहर के विभिन्न इलाकों से आए रोज़ेदारों ने शिरकत की। अफ्तार के बाद मगरिब की सामूहिक नमाज़ अदा की गई तथा मुल्क की अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए खास दुआएँ मांगी गईं। हैप्पी क्लब के मोहम्मद एजाज (आशु), तौसीफ भाई मेडिकल, सोनू मोबाइल, असलम बाबा, इरफान भाई, इमरान भाई, मोहम्मद शरीफ़, मुज्जफर हुसैन, गुलशेर, तुफैल भाई, एवम हैप्पी क्लब के सदस्यों ने अफ्तार में आए रोजदारों का शुक्रिया अदा किया।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा भेड़ाघाट में आज

नवभारत,जबलपुर। प्रत्येक माह की पूर्णिमा को हरे कृष्णा आश्रम से भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा फागुन पूर्णिमा पर आज प्रात: 7:30 बजे संत महात्माओं के सानिध्य में निकाली जाएगी। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज द्वारा बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया जाएगा। नर्मदा पंचकोसी परिक्रमा बेनगंगा पुल, पंचवटी, 64 योगिनी, धुआंधार, कल्याण तपोवन, लामेटा घाट, नाव पार करके शनि मंदिर, डुडुवारा, इमलिया, न्यू भेड़ाघाट से सिद्धन माताजी आश्रम के सामने से नाव पार करके हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में विशाल भंडारे के साथ समापन होगा।

राजयोग मन को परमात्मा की शक्ति से जोड़ने का विज्ञान

जीआरपी जवानों के लिए राजयोग द्वारा तनाव मुक्ति' शिविर

नवभारत,जबलपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, शिव स्मृति भवन (नेपियर टाउन) द्वारा रेल पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों के लिए एक विशेष आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य निरंतर चुनौतियों के बीच कार्य करने वाले जवानों को राजयोग के माध्यम से मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति प्रदान करना था। सत्र की मुख्य संचालिका और अनुभवी प्रशिक्षिका राजयोगिनी बी.के. भावना ने राजयोग मेडिटेशन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, 'राजयोग कोई कर्म त्याग नहीं, बल्कि कर्म करते हुए मन को परमात्मा की शक्ति से जोड़ने का विज्ञान है। जब एक जवान 'शिव स्मृति' में रहकर अपनी ड्यूटी करता है, तो उसके भीतर धैर्य, सहनशीलता और निर्भयता जैसे दैवीय गुण स्वत: आने लगते हैं। राजयोग हमारे मन के ट्रैफिक को कंट्रोल कर हमें हर परिस्थिति में स्थिर रहना सिखाता है। इस अवसर पर जीआरपी के वरिष्ठ अधिकारी अजय सिंह, सूबेदार नरेश बरसैंया और सूबेदार रविंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जवानों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी कों बी के वर्षा ने सामूहिक रूप से राजयोग का अभ्यास कराया और शांति की गहन अनुभूति कराई।

पुलिस बल के लिए मानसिक स्वास्थ्य जरूरी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीएसपी अंकिता बहिन ने कहा कि पुलिस बल के लिए मानसिक स्वास्थ्य उतना ही जरूरी है जितना कि शारीरिक फिटनेस। सेवानिवृत्त डीएसपी सारिका पांडे ने अपने अनुभवों के आधार पर आध्यात्मिक सशक्तिकरण को पुलिस सेवा के लिए अनिवार्य बताया। वहीं, प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ. श्यामजी रावत ने स्वास्थ्य और मन के अंतर्संबंध को समझाते हुए बताया कि सकारात्मक विचार हमें असाध्य रोगों से बचाने में कवच का कार्य करते हैं।

एक नजर में

सह सरकार्यवाह रामदत्त ने लिया जगतगुरु का आशीर्वाद

नवभारत,जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह-सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने जबलपुर प्रवास के दौरान जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य से स्नेह नगर स्थित कुटी में आत्मीय भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके साथ महाकौशल प्रांत प्रचारक ब्रिजकांत भी उपस्थित रहे। दोनों श्रद्धेयजनों ने पूज्य जगद्गुरु स्वामी को होली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए राष्ट्र एवं समाज की उन्नति हेतु मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

श्रद्धा खापरे को पीएचडी

नवभारत,जबलपुर। शासकीय होम साइंस कॉलेज, जबलपुर के प्राणीशास्त्र विभाग में कार्यरत श्रद्धा खापरे को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा प्राणीशास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। आपका शोध बरगी बांध कैचमेंट क्षेत्र, जबलपुर संभाग की तितली जीवसमूह का सिस्टेमैटिक अध्ययन एवं संरक्षण स्थिति रहा। इस शोध के अंतर्गत बरगी बांध क्षेत्र में पाई जाने वाली तितलियों की प्रजातीय विविधता, वर्गीकरण, मौसमी वितरण, आवासीय विश्लेषण तथा संरक्षण स्थिति का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया गया। यह शोध कार्य डॉ. रीता भंडारी (सेवानिवृत्त प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय खमरिया) एवं डॉ. प्रीति खरे (सहायक प्राध्यापक, प्राणीशास्त्र विभाग, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर) के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ। श्रद्धा खापरे, स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के सीनियर सेल्स मैनेजर धीरज खापरे की धर्मपत्नी हैं। इससे पूर्व श्रद्धा खापरे को द अमेरिकन विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित किया जा चुका है।

गुंजन रसरंग महोत्सव आज

नवभारत,जबलपुर। गुंजन कला सदन मध्य प्रदेश द्वारा 33 वां रसरंग महोत्सव आज संध्या 6 बजे से शहीद स्मारक भवन, गोलबाजार में आयोजित है। इसमें सभी अतिथि दर्शक महिला पुरुष दूल्हों के वेश में शामिल होते हैं। नवरंग के कलाकारों सहित किन्नरों के नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

संस्कारधानी में समरसता की होली 8 मार्च को

सर्व समाज की बैठक में निर्णय भव्य और ऐतिहासिक होगी समरंग यात्रा

नवभारत, जबलपुर। समरसता सेवा संगठन के तत्वावधान में रंगपंचमी के अवसर पर तीसरे वर्ष 'समरसता की होली' का आयोजन 8 मार्च, रविवार को जबलपुर में किया जाएगा।आयोजन को लेकर सर्व समाज के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की बैठक संपन्न हुई। संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने बताया कि दोपहर 3 बजे समरंग यात्रा कलेही माता मंदिर मिलोनीगंज से प्रारंभ होकर छोटा फुहारा, कोतवाली, सराफा, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, लार्डगंज, सुपर मार्केट, मालवीय चौक होते हुए डी एन जैन कॉलेज प्रांगण पहुंचेगी, जहां होली महोत्सव आयोजित होगा।

यात्रा में अवध, ब्रज और मसान की होली की झांकियां तथा इस्कॉन मंदिर संकीर्तन मंडल शामिल होंगे। संतजनों के सानिध्य में पुष्प वर्षा के साथ विभिन्न समाजों द्वारा स्वागत मंच लगाए जाएंगे। महोत्सव स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, गुलाल व फूलों की होली, पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल एवं सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बैठक में डॉ. जितेंद्र जामदार, पं. वासुदेव शास्त्री, शरदचंद्र पालन, पं. रोहित दुबे, जगदीश चोहटेल, पं. ब्रजेश दीक्षित, सरदार राजेंद्र सिंह छाबड़ा सहित अनेक वक्ताओं ने आयोजन को भव्य बनाने के सुझाव दिए। संचालन सचिव उज्जवल पचौरी ने किया। इस अवसर पर कैलाश अग्रवाल 'बब्बा', तारु खत्री, सुरेश आसवानी, डॉ. सुनील मिश्रा, अशोक नामदेव, रामबाबू विश्वकर्मा, मेवालाल छिरोल्या, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, एड. संपूर्ण तिवारी, पं. संजय गोस्वामी, राजेश पाठक प्रवीण, आलोक पाठक, प्रमोद पंडा, डॉ. आनंद सिंह राणा सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निशान साहिब लहरा कर किया होला महल्ला का आगाज

नवभारत,जबलपुर। होली पर सिख समाज द्वारा गुरुद्वारा ग्वारीघाट में मनाया जाने वाला होला मोहल्ला महापर्व का शानदार आगाज हाइड्रोलिक सिस्टम से लैस 75 फुट ऊंचे गगनचुंबी थम्म पर निशान साहिब लहरा कर किया गया। भूपिंदर सिंह तलवार, इंदरमीत सिंह कोहली एवं नरेंदर पाल सिंह के परिवार को चोला साहिब भेंट करने का सुयश प्राप्त हुआ। खालसा सेवक जत्था प्रेमनगर के प्रबंध तले साध संगत ने कार सेवा की। मुख्य ग्रंथी ज्ञानी लखबीर सिंह एवं ज्ञानी जसप्रीत सिंह ने सरबत के भले की अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई वहीं हुजूरी रागी जत्था मनप्रीत सिंह एवं साजिंदे साथियों ने सरस गुरुवाणी शबद कीर्तन पेश किया। यहां कड़ाह प्रसाद के साथ ही गुरु का लंगर भी वितरित किया गया। प्रधान साहब गुलजीत सिंह साहनी, अजीत सिंह चड्डा, प्रदीप सिंह, जसपाल सिंह, इंदरजीत सिंह मंगी, गुरबिंदर सिंह साहनी ने आभार व्यक्त किया। मीडिया प्रभारी प्रदीप सिंह भोगल ने बताया कि आगामी 4 मार्च को यहां प्रात: 9 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक धूमधाम के साथ होला महल्ला मनाया जाएगा। रागी जत्था गुरदीप सिंह, मनप्रीत कौर खालसा, छत्तीसगढ़ एवं कथावाचक ज्ञानी बलविंदर सिंह, देहरादून सहित अनेक विद्वतजन शिरकत करेंगे। समापनोपरांत सिख मार्शल आर्ट गतकां के रोचक मुकाबले होंगे । गुरुद्वारा ग्वारीघाट प्रबंधक कमेटी ने साध संगत से उपस्थिति की अपील की है।

कार्यशाला | निरामय विषय पर कार्यशाला का आयोजन

तनाव जीवन का हिस्सा, लेकिन उसे नियंत्रित करना जरूरी : महापौर

नवभारत,जबलपुर। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री एवं डायवेल कोर फाउंडेशन, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'निरामय' विषय पर तनाव प्रबंधन, स्वास्थ्य संतुलन एवं आनंदित जीवन पर आधारित प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के व्यापारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि यह आयोजन केवल कार्यशाला नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का अवसर है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने कहा कि तनाव जीवन का हिस्सा है, लेकिन उसे नियंत्रित करना आवश्यक है। उन्होंने चिकित्सकीय सलाह का पालन करने और मानसिक दृढ़ता बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा, 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। मुंबई से पधारे सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय मेहता ने 'रिवर्सल ऑफ हार्ट डिजीज, डायबिटीज एवं ब्लड प्रेशर' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाकर कई रोगों की तीव्रता को कम किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित जनों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

डायवेल कोर फाउंडेशन के संस्थापक चिकित्सक डॉ. परिमल स्वामी ने तनाव प्रबंधन की शॉर्ट टर्म तकनीकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयास व्यक्ति को फिट और स्वस्थ बनाए रख सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन विनोद शर्मा ने किया।

इनका रहा सहयोग

आयोजन को सफल बनाने में हिमांशु राय, मनु शरत तिवारी, अरुण पवार, सुनील श्रीवास्तव, अजीत पवार एवं मजहर अली का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विभिन्न कंपनियों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे तथा आगंतुकों के लिए नि:शुल्क शुगर टेस्ट एवं मांसपेशी शक्ति परीक्षण की व्यवस्था की गई।

प्रशिक्षण कार्यशाला में शतकवीरों का हुआ सम्मान

नवभारत,जबलपुर। मेडिकल कॉलेज जबलपुर में रक्तदान शिविरों के प्रभावी आयोजन को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में रक्तदाताओं को प्रेरित एवं सम्मानित करने, उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा सुनिश्चित करने, रक्त के विवेकपूर्ण उपयोग तथा रक्त सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चा की गई। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों, ब्लड टेक्नीशियंस एवं 60 से अधिक स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन डीन डॉ नवनीत सक्सेना, सुपरिटेंडेंट डॉ अरविंद शर्मा, आईएमए अध्यक्ष डॉ ऋचा शर्मा, ब्लड बैंक प्रमुख डॉ भगवान सिंह यादव, डॉ मीना बाजपेई, डॉ यू एन शर्मा एवं डॉ ओ पी भार्गव द्वारा किया गया। समारोह में शतकवीर रक्तदाता व देहदानी सरबजीत सिंह नारंग, किशोर थारवानी और विकास खंडेलवाल, अपने बच्चों की शादी में रक्तदान शिविर आयोजित करने वाले अजय घोष तथा डॉ संजय असाटी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में सभी रक्तदाता संगठनों के प्रतिनिधियों को पारितोषिक, प्रमाणपत्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया।